॥ श्री ॥

# जिनयज्ञकल्प

JINAYAJNAKALPA

**आशाधर** · १३वीं शती · अभिलेख ६७/९०

आशाधर

## संक्षिप्त परिचय

पं. आशाधर कृत — जिन-पूजा एवं प्रतिष्ठा-विधानों का कल्प (विधि-संहिता); प्रतिष्ठा-पाठ परम्परा में प्रमाण-रूप से प्रयुक्त।

— सम्पादकीय परिचय; नीचे की तालिका-सामग्री मूल स्रोतों से अक्षरशः है। · Editorial summary; all list data is verbatim from the sources.

## अभिलेख-विवरण

जिनयज्ञकल्प — दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के ९० प्रमुख प्राचीन ग्रन्थों की कालानुक्रमिक सूची में क्रमांक ६७ पर अंकित ग्रन्थ है। रचयिता आशाधर; रचना-काल १३वीं शती (लगभग)। इसी लेखनी से सागरधर्मामृत, अनगारधर्मामृत, श्रावकाचार, महाभिषेक, धर्मामृत भी इस सूची में सम्मिलित हैं।

इसी लेखनी से

सागरधर्मामृत · अनगारधर्मामृत · श्रावकाचार · महाभिषेक · धर्मामृत

सम्पूर्ण ग्रन्थ पढ़ें

जैन ग्रन्थ लाइब्रेरी ↗ · जैनकोश ↗ · Archive.org ↗

बाह्य ग्रन्थालयों में खोज — नई टैब में खुलेगी

प्रमाण: ९०-ग्रन्थ सूची-पोस्टर, पंक्ति ६७ — मूल छायाचित्र

← महाभिषेक

धर्मामृत →